

डॉ. अर्जुन चव्हाण

एम. ए., बी. एड., पीएच. डी.

अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय,

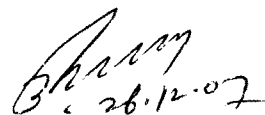
कोल्हापुर - 416 004

संस्तुति पत्र

मैं संस्तुति करता हूँ कि श्री. संतोष अक्षत कोळेकर द्वारा लिखित 'मोहनदास नैमिशाय के उपन्यासों में दलित चेतना' लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए |

स्थान : कोल्हापुर.

तिथि : 26 DEC 2007


(डॉ. अर्जुन चव्हाण)

Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

डॉ. सुलोचना न अंतरेडडी

एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.

अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

डी.आर.माने कॉलेज,

कागल -

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि श्री. अंतोष अरंत कोळेकर ने मेरे निर्देशन में 'मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में क्लित चेतना' यह लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है | पूर्ण योजना के अनुसार अंपन्न इस शोध कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है | जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं | प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करती हूँ |

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 26 DEC 2007

शोध निर्देशक



(डॉ. सुलोचना न. अंतरेडडी)

DR. SULOCHANA N. ANTREDDY

M.A., Ph.D

Head, Department of Hindi.

D.R. Mane Mahavidyalaya Kagal,

Kolhapur-416 216

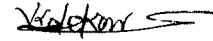
प्रख्यापन

“मोहनदास कैमिशादाय के उपन्यासों में दलित चेतना” यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है | यह रचना इसके पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गयी है |

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 26 DEC 2017

शोध छात्र



(श्री. संतोष अनंत कुळेकर)